भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2517
(10 दिसंबर 2024 को उत्तर दिये जाने के लिए)

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत ग्रामीण संपर्क

2517. श्रीमती हेमा मालिनी:

क्या **ग्रामीण विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क सुविधाएं उक्त क्षेत्रों के लोगों की समग्र कुशलता बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं;

(ख) क्या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क सुविधाएं बढ़ाने में आशानुरूप सफल रही हैं; और

(ग) क्या सरकार का उक्त योजना को और अधिक समावेशी बनाने हेतु उसके प्रावधानों में संशोधन करने का विचार है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) और (ख) भारत सरकार ने गरीबी उन्मूलन रणनीति के एक भाग के रूप में, ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के उत्थान के लिए कोर नेटवर्क में निर्धारित आबादी वाली (जनगणना 2001 के अनुसार मैदानी क्षेत्रों में 500+ और पूर्वोत्तर राज्यों, हिमालयी राज्यों और हिमालयी संघ राज्य क्षेत्रों में 250+,) सड़क संपर्कविहीन पात्र बस्तियों को एकल बारहमासी सड़क के माध्यम से ग्रामीण सड़क संपर्कता उपलब्ध कराने के लिए एक केन्द्र प्रायोजित योजना के रूप में 25 दिसंबर, 2000 को प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-I) शुरू की। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित महत्वपूर्ण ब्लॉकों में, 2001 की जनगणना के अनुसार 100 व्यक्ति या उससे अधिक जनसंख्या वाली बस्तियों को भी शामिल किया गया है। पीएमजीएसवाई-II को वर्ष 2013 में आरंभ किया गया था, जिसका लक्ष्य मौजूदा ग्रामीण सड़कों में से 50,000 किलोमीटर को अपग्रेड करना था। वामपंथी उग्रवाद

प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना (आरसीपीएलडब्ल्यूईए) 2016 में शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य 9 प्रभावित राज्यों के 44 सबसे अधिक प्रभावित वामपंथी उग्रवाद जिलों और आसपास के जिलों में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण/उन्नयन करना है। पीएमजीएसवाई-III को वर्ष 2019 में 1,25,000 किलोमीटर लम्बे सड़क मार्गों और प्रमुख ग्रामीण सड़क संपर्कों के समेकन के लिए आरंभ किया गया था।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) पर नीति आयोग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद (आईआईएम-ए), विश्व बैंक भारत और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा किए गए विभिन्न स्वतंत्र मूल्यांकन अध्ययनों से यह निष्कर्ष निकला है कि इससे शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं तक पहुंच में सुधार हुआ है, कृषि और गैर-कृषि दोनों क्षेत्रों में रोजगार सृजन में मदद मिली है, किसानों को बेहतर कृषि मूल्य प्राप्त करने आदि में मदद मिली है। इस योजना की शुरुआत के बाद से, पीएमजीएसवाई के विभिन्न कार्यकलापों/पहलों के तहत 3,95,560 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के मूल्य के साथ 8,34,657 किलोमीटर लंबाई और 11,948 एलएसबी के कुल 1,90,155 सड़क कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 6 दिसंबर, 2024 तक 3,32,071 करोड़ रुपये (राज्य अंश सहित) के व्यय से 7,69,51 किलोमीटर लंबाई और 9,199 एलएसबी के 1,81,151 सड़क कार्य कर लिए गए हैं।

नीति आयोग द्वारा वर्ष 2020 में राष्ट्रीय स्तर पर पीएमजीएसवाई के मूल्यांकन में निम्नलिखित प्रभावों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है:

i. यह योजना भारत के अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में योगदान देती है, क्योंकि यह गरीबी, भुखमरी और विकास के लिए बुनियादी ढांचे के मुद्दों को हल करती है;

ii. पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित सड़कों से परिवार और समुदाय दोनों स्तर पर सकारात्मक प्रभाव देखा गया है;

iii. यह देखा गया है कि सड़कों के बनने से बाजार और आजीविका के अवसरों, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं तक पहुंच बेहतर हुई है; तथा

iv. पीएमजीएसवाई को ग्रामीण भारत में दीर्घकालिक गरीबी उन्मूलन की नींव रखने के लिए जाना जाता है। बेहतर ग्रामीण सड़क संपर्क ग्रामीण आबादी के जीवन स्तर में दीर्घकालिक और निरंतर वृद्धि प्रदान करती है क्योंकि इससे परिवार धन और मानव संपदा संचित कर सकते है।

(ग): भारत सरकार ने सितंबर 2024 में पीएमजीएसवाई के IV चरण को मंजूरी दी है, ताकि 2011 की जनगणना के अनुसार मैदानी इलाकों में 500+, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों/संघ

राज्य क्षेत्रों में, विशेष श्रेणी क्षेत्रों (आदिवासी अनुसूची V, आकांक्षी जिले/ब्लॉक, रेगिस्तानी क्षेत्र) में 250+ और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 100+ आबादी वाले 25,000 सड़क संपर्कविहीन बस्तियों को बाहरमासी सड़क संपर्कता प्रदान की जा सके। पीएमजीएसवाई-IV में पात्र सड़क संपर्कविहीन बस्तियां शामिल हैं जो 2011 की जनगणना के अनुसार अपनी जनसंख्या वृद्धि के कारण पात्र हो गई हैं।

****